सुविचार
परिस्थितियाँ जितनी ज्यादा आपको तोड़ती हैं.. उससे कहीं ज्यादा आपको मजबूत बना देती हैं..।

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक :- नागेश नरवरिया

वर्ष 6, अंक-77 | भोपाल, शुक्रवार 26 नवंबर 2021 | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

सत्यमेव जयते

संविधान की उद्देशिका

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य, बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को:
सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता, प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में,
व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता, सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढ़ाने के लिए
दृढ़संकल्प होकर अपनी संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मैंने उद्देशिका पढ़ी है और मैं उसका अनुपालन करूंगा।

युवा प्रदेश नेटवर्क

की ओर से लोकतंत्र के महापर्व संविधान दिवस की समस्त भारतीयों को हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं

संविधान दिवस पर पीएम मोदी ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

कहा- निस्वार्थ सेवक न हों तो संविधान कुछ नहीं कर सकता

आजाद भारत के इतिहास में 26 नवंबर की खास अहमियत है. दरअसल यही वह दिन है, जब गुलामी की जंजीरों से आजाद होकर अपने स्वतंत्र अस्तित्व को आकार देने का प्रयास कर रहे राष्ट्र ने संविधान को अंगीकार किया था. इसी दिन संविधान सभा ने इसे अपनी स्वीकृति दी थी. इस वजह से इस दिन को संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाता है. इस मौके पर पीएम मोदी ने देशवासियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दी हैं.

पीएम मोदी ने ट्विटर पर लिखा, हमारे देशवासियों को संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं. इस खास दिन पर, डॉ अंबेडकर के 4 नवंबर 1948 को संविधान सभा में दिए गए भाषण का एक अंश शेयर कर रहा हूं, जिसमें उन्होंने मसौदा समिति द्वारा तय किए गए प्रारूप संविधान को अपनाने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया।

आम व्यक्ति किस मजिस्ट्रेट से अपराध की शिकायत कर सकता है जानिए/CrPC...।

बी.आर. अहिरवार,
ब्यूरो हेड होशंगाबाद,
मो.-9827737665

जब कोई अपराध भारतीय दण्ड संहिता की धाराओ के अंतर्गत संज्ञेय या असंज्ञेय हो तब व्यक्ति पुलिस में प्रथम सूचना देने के लिए जाता है पुलिस कुछ मामलों में FIR दर्ज कर लेती है एवं कुछ मामले में NRC राजिस्ट्रेट कर लेती है। लेकिन कभी कभी ऐसा होता है कि व्यक्ति कोई अपराध की शिकायत लेकर पुलिस थाने जाता है और उसकी शिकायत नहीं सुनी जाती है तब वह अपनी शिकायत जो वहाँ के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के पास दर्ज करवा सकता है एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट उस शिकायत का कैसे संज्ञान लेगा जानते हैं आज।

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 190 की परिभाषा -

अगर किसी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को निम्न प्रकार से रिपोर्ट या शिकायत मिलती है -

1. उन तथ्यों जिसमे अपराध बनता है उसका परिवाद(शिकायत) दर्ज होती है।
2. ऐसी तथ्यों के बारे में पुलिस रिपोर्ट द्वारा बताया गया हो अर्थात पुलिस की FIR पर।
3. कोई भी आम नागरिक जो मजिस्ट्रेट को अपराध की सूचना देता है कि अपराध किया है साक्ष्य सहित।

तब मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ऐसे अपराध पर तुरंत संज्ञान लेगा।

कोई भी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट(प्रथम श्रेणी का) किसी भी द्वितीय श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट को ऐसे अपराध की जाँच या विचारण के लिए शक्ति दे सकता है।

भोपाल में मध्यप्रदेश ग्रामीण मोहखेड़ शाखा सम्मानित

भोपाल। मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक की मोहखेड़ शाखा वर्ष 2020 -21 में स्व सहायता समूह के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की उत्कृष्ट शाखा चुनी गई। नाबार्ड द्वारा भोपाल में आयोजित स्टेट क्रेडिट सेमिनार में शाखा गत वर्ष के शाखा प्रबंधक श्री विजयेंद्र सिंह ठाकुर को सम्मानित किया गया। सम्मान श्री जगदीश देवड़ा वित्त मंत्री मध्यप्रदेश शासन ने दिया। इस अवसर पर नाबार्ड की महाप्रबंधक , राज्य स्तरीय बैंक समिति के संयोजक, मध्यप्रदेश शासन के कृषि सचिव ,डेरी व पशुपालन सचिव विभिन बैंकों के प्रमुख उपस्थित थे। उल्लेखनीय हैं कि मोहखेड़ शाखा के कार्य को गत वर्ष आकाशवाणी भोपाल ने भी अपने अच्छी खबर में स्थान दिया था। इस वर्ष भी पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग ने श्री विजयेंद्र सिंह ठाकुर के कार्यो पर वीडियो बनाकर अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर डाला था।

प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कैसे एवं कौन से करे एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

होशंगाबाद। शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें एवं किस विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया इस सेमिनार का आयोजन स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के तत्वाधान मैं किया गया इस सेमिनार में मनकामेश्वरी क्लासेस होशंगाबाद द्वारा व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन एवं विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ योजना प्रभारी ने मंच पर अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की इस सेमिनार में श्री रवि प्रताप सर सीईओ मनकामेश्वरी क्लासेस श्री मोहनीश गोहे श्री ऐश्वर्य बाजपेई श्री शुभम पुरोहित श्री रोहित कुमार यादव श्री संदीप त्रिवेदी सुश्री कृति देवासकर ने अपने व्याख्यान के माध्यम से छात्राओं का उद्बोधन किया। कार्यक्रम में मां सरस्वती की पूजन माल्यार्पण एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया सेमिनार में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं का उद्बोधन करते हुए कहा कि हमारा कठोर श्रम ही हमें कठिन से कठिन परीक्षा में सफलता दिलाता है स्वामी विवेकानंद ने कहा हैं कि उठो जागो और तब तक नहीं रुको जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए हमें आत्मविश्वास के साथ सही दिशा में प्रयास करना होगा तभी हम प्रशासनिक सेवाओं में सफलता प्राप्त कर सकते हैं महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राएं जो ग्रामीण परिवेश से हैं उनके पास सूचनाओं का अभाव रहता है

मनकामेश्वरी संस्था से आई हुई टीम प्रशासनिक सेवाओं के पद एवं उन पदों पर चयन प्रक्रिया की जानकारी छात्राओं से साझा करेंगी जिससे छात्राएं लाभान्वित होंगी बहुत सारे विद्यार्थी अपनी कमजोर अंग्रेजी के कारण इन परीक्षाओं का लाभ नहीं ले पाते। इस सेमिनार में विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ योजना प्रभारी डॉ संगीता अहिरवार ने कहा कि हमें प्रशासनिक सेवाओं में चयन के लिए सतत प्रयास करना होगा महाविद्यालय के युवा केंद्र में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए किताबें उपलब्ध है छात्राएं लाभान्वित हो सकती हैं सुश्री कृति देवासकर ने अपने उद्बोधन में प्रशासनिक सेवा की जानकारी साझा करते हुए बताया कि प्रशासनिक सेवाएं किस स्तर पर होती हैं ऐश्वर्य जी बाजपेई ने अपने उद्बोधन में संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रदेश लोक सेवा आयोग से संबंधित विस्तृत जानकारी छात्राओं से साझा की प्रशासनिक सेवा में आप संतुष्टि एवं समाज सेवा साथ-साथ कर सकते हैं । श्री मोहनीष गोहे ने बताया कि प्रशासनिक तैयारी हमें किस प्रकार करना है प्रशासनिक सेवा में हमें अवसर मिलता है कि हम बहुत सारे लोगों की मदद कर सकते हैं श्री संदीप त्रिवेदी ने बताया कि परीक्षा की तैयारी के लिए पाठ्यक्रम का अध्ययन करें पिछ्ले वर्षों के पेपर का अध्ययन करें और जुट जाएं सफल होने के लिए श्री शुभम पुरोहित ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया। श्री रोहित यादव ने बताया कि प्रशासनिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या कब कैसे पढ़ना है और कितना पढ़ना है जब हम इन पहलुओं को ध्यान रखकर तैयारी शुरू करते हैं तो सफलता निश्चित प्राप्त होगी श्री रवि प्रताप सर सीईओ ने अपने उद्बोधन में कहा कि अच्छी शिक्षा और समय दोनों का ही अभाव है। समयबध्द तैयारी सफलता की कुंजी है जब तक आप स्वयं दृढ़ संकल्पित नहीं होते हैं तब तक आप कोई भी परीक्षा नहीं निकाल सकते हैं। इस सेमिनार में डॉ. श्रुति गोखले, डॉ. रामबाबू मेहर, डॉ. निशा रिछारिया, श्रीमती आभा वाधवा, डॉ. कीर्ति दीक्षित, डॉ. रीना मालवीय, डॉ. दशरथ मीणा , नीलम चौधरी, श्वेता वर्मा,श्रीमती अंकित तिवारी, दीपिका राजपूत, चारु तिवारी, सौम्या चौहान, श्रीमती प्रीति ठाकुर, डॉ. मनीषा तिवारी, डॉ. विजया देवासकर, श्री देवेंद्र सैनी, श्री शुभम बद्रे, आकांक्षा नगाईच एवं भारी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

कविता

मेरे पापा...!

मेरे पापा आज आप क्यों दूर हो गए।
हो दिल के करीब पर जन्नत के नूर हो गए।।

तोतली जुबां से पुकारती थी पापा,
आज बोलती जुबां को क्यों खामोश कर गए।
छनकती थी जो नन्ही पैरों की पायल वो,
आज घुंघरू की ताल को क्यों बे-शोर कर गए।

मेरे पापा आज आप क्यों दूर हो गए।
हो दिल के करीब पर जन्नत के नूर हो गये।।

चमचमाती आँखे जो देखती थी तुमको,
उन आंखों में अधूरे क्यों ख्वाब दे गए।
थामी थी जो उंगलियां मेरे नन्हे हाथों की,
उन उंगलियों को क्यों सरेआम छोड़ गए।

मेरे पापा आज आप क्यों दूर हो गए।
हो दिल के करीब पर जन्नत के नूर हो गए।।

खिलाते थे जिस थाली में खाना मुझको,
वो थाली क्यों सूनी छोड़ गए।
झूमते थे जिस आंगन में हसके,
वो आंगन खाली क्यों छोड़ गए।

मेरे पापा आज आप क्यों दूर हो गए।
हो दिल के करीब पर जन्नत के नूर हो गए।।

झूलाते थे साथ जिस झूले में मुझको,
वो झूला पुराना क्यों छोड़ गए।
छोड़ते थे स्कूल मुझे बिठाकर अपने कंधों में,
वो सवारी कराना क्यों छोड़ गए।

मेरे पापा आज आप क्यों दूर हो गए।
हो दिल के करीब पर जन्नत के नूर हो गए।।

दिलाते थे जिस दुकान से टॉफी,
वो दुकान किराना क्यों छोड़ गए।
देखती हैं जो बेबाक निगाहें,
उन निगाहों में आज आँसू क्यों छोड़ गए।

मेरे पापा आज आप क्यों दूर हो गए।
हो दिल के करीब पर जन्नत के नूर हो गए।।

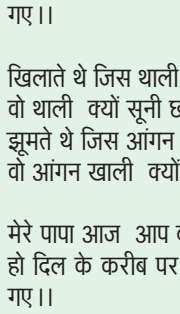

कवियित्री-
अन्नपूर्णा(अनु)
भारती
जिला - कटनी

कविता

..पर सपने कहा सोने देते हैं

नींद तो बहुत आती है
पर सपने कहा सोने देती है
चलती रहू मंजिल की तरफ
रुकना नहीं, कहती रहती है।।
तु डरना मत आंधियों से
चट्टान की तरह डटे रहना
बादल गरजते है , बरसते है
तु सूरज की तरह जलते रहना।।
समन्दर की लहरें रुकती नहीं
नदिया भी बहती रहती है
धरती मां शरण देती है।
तु चलते रहना कहती रहती है।।

वैशाली
नारनवरे

अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया

होशंगाबाद। शासकीय गृह विज्ञान में स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम एनएसएस ,समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पोस्टर प्रतियोगिता, कोलाज, हस्ताक्षर अभियान, डाक्यूमेंट्री फिल्म एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया। मां सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती कामिनी जैन, मुख्य अतिथि श्रीमती श्वेता चौबे किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य एवं डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. कंचन ठाकुर, डॉ. पुष्पा दुबे, डॉ. किरण पगारे ने अपनी गरिमामई उपस्थिति प्रदान की। प्रदर्शनी एवं कोलाज में लगभग 60 छात्राओं ने सहभागिता की। हस्ताक्षर अभियान के पश्चात व्याख्यान का आयोजन किया गया। डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं का उद्बोधन करते हुए कहा कि तनाव रहित वातावरण व्यक्ति को पल्लवित एवं प्रेरित करता है। वृहद स्तर पर कोई परिवर्तन तभी संभव है जब हम उस की शुरुआत अपने आसपास से करते हैं। जब हम गैरेज, होटलों में काम करने वाले बहुत सारे बालको

देखते हैं तो हमें उनके प्रति अपनी संवेदनाएं जोड़नी होगी तभी हम बाल श्रम पर नियंत्रण कर सकते हैं। युवाओं की सोच ,सहयोग, समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है। हमें जागरूक होना होगा बाल अधिकार के प्रति एवं लोगों को जागरूक भी करना होगा । श्रीमती श्वेता चौबे किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चों को सदैव सजग, सतर्क होना चाहिए। सरकार द्वारा बच्चों को 86 अधिकार दिए गए हैं जिनमें से जीवन जीने का अधिकार, सुरक्षा एवं संरक्षण का अधिकार, सहभागिता का अधिकार, विकास का अधिकार चार प्रमुख अधिकार प्रदत्त हैं ।श्रीमती चौबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि यदि आप जरूरतमंद बच्चों को देखते हैं तो 1098 हेल्पलाइन सेंटर पर जानकारी दे सकते हैं। विभिन्न संस्थाओं की जानकारी छात्राओं से साझा की एवं बाल संरक्षण बोर्ड, किशोर संरक्षण बोर्ड से छात्राओं को अवगत कराया। समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. कंचन ठाकुर ने बताया कि समाजशास्त्र एवं समाज कार्य की छात्राओं द्वारा विगत वर्षों में बाल अधिकार एवं सुरक्षा के लिए जागरूकता रैली और कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। विभाग द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। श्री राजेश अहिरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि आप अपने व्यक्तित्व का विकास करें एवं सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहें। कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए श्री रफीक अली ने दो पंक्तियों के माध्यम से कहा हर रोज यह बच्चे जहां से जवाब मांगते हैं, मन ही मन में बच्चे अपने लिए खिलौने और किताब मानते हैं।आभार प्रदर्शन करते हुए डॉ. नीतू पवार ने सभी अतिथि, प्राचार्य महोदय एवं सम्मानित स्टाफ के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में एन.एस.एस. प्रभारी डॉ. रीना मालवीय, डॉ. कीर्ति दीक्षित ने अपना सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में डॉ. भारती दुबे, डॉ. संध्या राय, श्री प्रेमकांत कटंगकार, श्रीमती विमला कदम, कुमारी श्वेता वर्मा, श्रीमती शीतल मेहरा, श्री अनिल कौशल, श्री घनश्याम डेहरिया एवं भारी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

साहस और संघर्ष की प्रतीक थी इंदिरा जी-फुंदेलाल सिंह

इंदिरा जी की जयंती पर कांग्रेस जनों ने सादर नमन किया

अनूपपुर। स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी जी की जयंती जिला कांग्रेस अनूपपुर ने इंदिरा तिराहे पर मनाई। उनकी प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया।इस अवसर पर उपस्थित समस्त कांग्रेस जनों ने स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने कांग्रेस जनों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी जी साहस और संघर्ष की प्रतीक रही।इंदिरा जी का नाम आते ही दृढ़ निश्चयी, विश्व नेत्री की तस्वीर उभरती है।उन्होंने राजनीति में न सिर्फ नई मिसाले गढ़ी बल्कि दुनिया में भारतीय लोकतंत्र के साथ ही अपने व्यक्तित्व का लोहा भी मनवा लिया।अपने दृढ़ निर्णयों से देश के साथ समाज और कांग्रेस को मजबूत किया।आज इंदिरा जी हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके विचार और कार्य हमारे बीच में मौजूद हैं।हम उन्हें सादर नमन करते हुए उनकी जन्मतिथि पर देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लेते हैं।इंदिरा गांधी ने जिन सपनों और आदर्शों के साथ जीते हुए अपने प्राणों का बलिदान किया वह हमारे लिए आदर्श वह पथ प्रदर्शक है और उनके अनुसार चलना हमारा कर्तव्य है।जिला कांग्रेस अध्यक्ष फुंदेलाल सिंह मार्को ने कहा कि कड़ी मेहनत, पक्का इरादा, दूरदृष्टि जैसे जीवन सूत्र दुनिया को देने वाली इंदिरा गांधी ने 20 सूत्री कार्यक्रम देश में लागू कर गांव स्तर पर विकास का रास्ता तैयार किया वह चाहती थी कि सबसे पहले गांव खुशहाल हो तो देश अपने आप खुशहाल हो जाएगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष फुंदेलाल सिंह मार्को, रमेश सिंह, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रामखेलावन राठौर, वासुदेव चटर्जी एडवोकेट, जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष मयंक त्रिपाठी, कमलनाथ सद्भावना मंच के जिलाध्यक्ष सत्येंद्र स्वरूप दुबे ,राजीव सिंह ,उत्तम पटेल, राघवेंद्र पटेल, राजन राठौर, मनोज राठौर ,चंद्र भूषण त्रिपाठी, गुलाब पटेल, रामाधार बैगा, पूर्व पार्षद पुरुषोत्तम चौधरी पूर्व पार्षद, रियाज मंसूरी, संदीप गर्ग, संजीव द्विवेदी आदि कांग्रेस जन उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय धनवंतरी पुरस्कार से सम्मानित

भोपाल। पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद संस्थानके वरिष्ठ प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष मेडिसीन **डॉ. राजेश मेश्राम** को उध्दवदास मेहता स्मृति न्यास के तत्वाधान में राज्य स्तरीय धन्वन्तरी जयंती के उपलक्ष्य में प्रोफेसर डॉ राजेश मेश्राम को उनके उत्कृष्ट चिकिसकीय कार्यो के लिए धन्वतरी पुरस्कार से मध्य प्रदेश शासन के गृह एवं संसदीय कार्य मंत्री माननीय श्रीमान नरोत्तम मिश्रा जी कर कमलो द्वारा सम्मानित किया गया। इससे राज्य के आयुर्वेद कॉलेज के चिकित्सा शिक्षकों एवं चिकित्सको में खुशी का माहौल व्याप्त है।

ग्रामीण स्वच्छता पर फोकस

जिला प्रशासन एवं नेहरू युवा केन्द्र के सहयोग से स्वच्छता स्मारिका प्रकाशित

भोपाल। आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत भोपाल जिला प्रशासन एवं नेहरू युवा केन्द्र के समन्वय से जिला पंचायत द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के लिए लगातार चलाई जा रही गतिविधियों और ग्रामीणों के नवाचार पर केन्द्रित स्वच्छता स्मारिका का प्रकाशन किया गया है।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
भोपाल (मप्र)मो.- 9755364204

समाधान योजना लागू

विदिशा। कोरोना महामारी के दृष्टिगत एक किलोवॉट तक के घरेलू उपभोक्ताओं की अस्थगित की गई राशि के भुगतान से उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्धेश्य से समाधान योजना लागू की गई है। ऊर्जा विभाग द्वारा ततसंबंध में आवश्यक पत्र प्रेषित कर संबंधितो को क्रियान्वित करने के निर्देश प्रसारित किए गए है। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के महाप्रबंधक अंकुर सेठ ने गृह विभाग द्वारा जारी पत्र का हवाला देते हुए बताया कि प्रदेश में कोरोना महामारी के प्रकोप के कारण निम्न आय घरेलू उपभोक्ताओं को विद्युत देयकों के भुगतान में आ रही कठिनाईयों को दृष्टिगत रखते हुए एक किलोवॉट तक के संयोजित भार वाले घरेलू उपभोक्ताओं के देयकों की 31 अगस्त 2020 तक की मूल बकाया राशि एवं अधिभार की वसूल को आस्थगित किया गया था। आदेश में उक्तानुसार आस्थगित बकाया राशि के बारे में पृथक से निर्देश जारी किए जाने का उल्लेख किया गया है।

बैरसिया विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्र में आ रही जन समस्या को लेकर विधायक और जिला सीईओ अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बैरसिया। ग्राम प्राथमिक विद्यालय से कुटकीपुरा टोला तक कच्छा रास्ते पर आज भी कीचड़ है छात्र विधालय नहीं जा पा रहे है ग्रामीण क्षेत्र के समस्त लोग बीमारी में रास्ते में से निकलने में बाधा आती है अपने कंधे पर रख रखकर व्यक्तियों को निकाला जाता है टोला में अगर कोई बीमार पड़ जाता है उसे कंधे पर लेकर जाते है पूर्व में भी सचिव और सरपंच को आवेदन दिया गया पर कोई कार्यवाही नहीं की गई क्षेत्रीय विधायक विष्णु खत्री और जिला पंचायत सीईओ अधिकारी विकास मिश्रा से ग्रामीण जन ने गुहार लगाई बैरसिया के दर्जन वर ग्रामीण ग्राम कड़िया कोटा बरेला खेड़ा बैरागढ़ परवरिया डुंगरिया कुल्हौर गरेतिया सेमरी मेंगरा कला करारिया बराई हिनोतिया पिरान विभिन्न योजनाएं से आज भी वंचित है आज तक योजनाएं का ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को लाभ नही मिला समस्त ग्रामीण क्षेत्र मौजूद रहे। रामबाबू किशन लाल दीपक राजपाल नितेश संजू ब्रजेश श्यामलाल वंशीलाल मिश्रीलाल हरिनारायण विष्णु आदि।

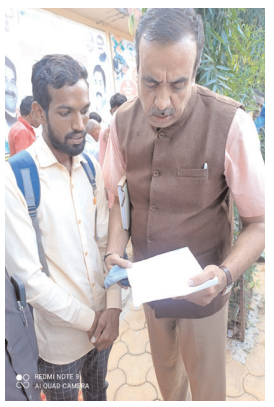

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ट्रांजिट विजिट पर ग्वालियर आए

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आत्मीय स्वागत किया

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को शाम ट्रांजिट विजिट पर ग्वालियर स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर हैलीकॉप्टर से आए। उनके साथ उत्तरप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ थे। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, पूर्व मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया, पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी, श्री नारायण सिंह कुशवाह उपस्थित थे।

नगर निरीक्षक द्वारा बच्चों को विधिक जागरूकता की दी गई जानकारी

अनूपपुर/डोला। गूँज समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में जागरूकता सप्ताह के अवसर पर शनिवार को शा0 माध्यमिक विद्यालय नगर परिषद डोला में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगरनिरीक्षक श्री अजय कुमार जी ,सहायक उपनिरीक्षक श्री विनोद नाहर व नारी शक्ति महिला पुलिस किरण जी व युवा समाज सेवी (हतह) गूंज समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष कैलाश अहिरवार, सचिव धर्मेंद्र नाहर कोषाध्यक्ष सुनीता सिंह तथा आईटी सेक्टर से पुष्पराज विश्वकर्मा जी व व्यवसायी सन्नी छाबडा जी मनेन्द्रगढ़ से उपस्थित रहे । आयोजित इस शिविर में छात्र-छात्राओं को शिक्षा का अधिकार व बाल श्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जिसमें बाल श्रम प्रतिषेध अधिनियम 1986 तथा बालक श्रम गिरवीकरण अधिनियम 1933 के संबंध में बताया गया कि 14 साल से कम उम्र के बच्चों से बूचड़खाने ,बंदरगाह, रेलवे स्टेशन, खान, प्लास्टिक, फाइबर वर्कशाप, बीड़ी बनाने, कालीन बुनना, सीमेंट बनाना, विस्फोटक व पटाखों को बनाने जैसे कार्यो पर नहीं लगाना चाहिए। साथ ही नगर निरीक्षक महोदय ने बच्चों को गुड टच ,बैठ टच की जानकारी दी व सुरक्षा के कई उपाय बताते हुए। साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर की जानकारी भी दी तथा बच्चों को सड़क सुरक्षा नियम से भी अवगत कराया बताया गया। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी खतरनाक काम में नियुक्त नहीं किया जा सकता है। इसका दोषी पाए जाने पर कम से कम 6 महीने और अधिक से अधिक एक वर्ष की जेल या दस से बीस हजार रुपये जुर्माना या दोनों हो सकता है। निरीक्षक महोदय ने विद्यालय के दीवार पर लिखे सड़क सुरक्षा नियम ,विद्युत सुरक्षा, भूकंप व आगजनी से सुरक्षा संबंधित पोस्टर देखकर प्रसन्नता जाहिर की और शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों के भविष्य को संवारने में कोई कसर न छोडें और हम भी आपके सहयोग के लिए सदैव तत्पर है।विद्यालय प्रमुख श्री पी एन त्यागी ने अथियों का आभार किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार से श्री रजनीश कुमार साहू ,श्रीमती प्रीतिप्रभा श्रीवास्तव व सरोजनी लकडा छात्र/छात्राएं उपस्थित रहीं।

शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में प्रवेश का अंतिम अवसर

सीहोर – डॉ0 बाबा साहेब अम्बेडकर योजनांतर्गत संचालित शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, सीहोर में रिक्त सीटों पर प्रवेश संस्था स्तर की काउंसलिंग के माध्यम से दिनांक 27,29 एवं 30 नवम्बर 2021 को किये जायेंगे। इस हेतु छात्राओं को अपने समस्त मूल प्रमाण पत्र लेकर उक्त तिथि में महाविद्यालय में उपस्थित होना है।

संस्था स्तर पर प्रवेश हेतु सर्व प्रथम दिनांक 22 नवम्बर से 30 नवम्बर 2021 तक के बीच में dte.mponline.gov.in पर डॉ0 बाबा साहब अम्बेडकर योजनांतर्गत डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतर्गत रजिस्ट्रेशन कराना होगा, संस्था में एम0ओ0एम0 ब्रांच में प्रवेश हेतु छात्रा को कक्षा 12वीं उत्तीर्ण एवं कम्प्यूटर साइंस ब्रांच में प्रवेश हेतु कक्षा 10वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

संस्था के प्राचार्य डॉ0 पंकज जैन द्वारा बताया गया है कि शासन द्वारा संस्था स्तर की काउंसलिंग में तिथि की वृद्धि से छात्राओं पुनः यह अवसर प्राप्त हो रहा है। संस्था में अनुसूचित जाति वर्ग की छात्राओं को पूर्णतः निःशुल्क प्रवेश दिया जावेगा साथ ही उन्हें निःशुल्क छात्रावास, भोजन, पुस्तकें एवं स्टेशनरी भी प्रदाय की जावेगी, जबकि अन्य वर्ग की छात्राओं को सःशुल्क प्रवेश दिया जावेगा। अधिक जानकारी हेतु छात्राऐं महाविद्यालय में आकर सम्पर्क कर सकती है।

नेशनल लोक अदालत में मोटर दुर्घटना, दावा प्रकरण अधिकाधिक निराकरण का लक्ष्य

भोपाल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल द्वारा 11 दिसम्बर 2021 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के संबंध में मंगलवार को जिला न्यायालय सभा कक्ष में बैठक संपन्न हुई। बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल श्रीमती गिरिबाला सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल श्री एस.पी.एस बुन्देला, नेशनल लोक अदालत के प्रभारी न्यायाधीश श्री धर्मेन्द्र टाडा, बीमा कंपनी के प्रभारी न्यायाधीश श्री सुशील चौहान, न्यायाधीश श्री सुरेश सूर्यवंशी, न्यायाधीश श्री अजय टेलर एवं बीमा कंपनी के अधिकारीगण, बीमा कंपनी के अधिवक्तागण एवं क्लेमेट अधिवक्तागण एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी भोपाल मौजूद रहे। बैठक में न्यायालय में लंबित मोटर दुर्घटना के अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के संबंध में चर्चा की गई।

गांव में एक साथ घुसे 42 हाथी, मचा हड़कंप, ट्रैक्टर से ढोए गए ग्रामीण, पूरा गांव करना पड़ा खाली

कोरिया। खडग़वां वनपरिक्षेत्र के ग्राम महादेवपाली में रात 42 हाथियों का दल घुस गया। मामले में आनन-फानन में ग्रामीणों को ट्रैक्टर से ढोकर पैनारी स्कूल व पण्डोपारा आंगनबाड़ी भवन में पहुंचाया गया। वन अमले की निगरानी में रातभर ग्रामीणों को रखा गया। वर्तमान में 42 हाथियों का दल बीट बेलबहरा के कक्ष क्रमांक 618 मिश्रित वृक्षारोपण में विचरण कर रहा है। साथ ही दो दल में बंट गए हैं। एक दल में 35 व दूसरे दल में 7 हाथियों की संख्या बताया जा रहा है। आज की रात वन परिक्षेत्र खडगांव अंतर्गत ग्राम बेलबहरा में जंगल से गुजरने वाली रास्ते पर बेरिकेट लगाकर रास्ते को ब्लॉक किया गया। वहीं ग्रामीणों को जागरूक करने मानव हाथी द्वंद से बचाव का उपाय बताने बैनर लगाए गए। ग्रामीणों को जंगल नहीं जाने व हाथियों से दूरी बनाए रखने समझाइश दी गई।

2 घर तोड़े, 15 किसानों की फसलों रौंदी

वन विभाग के अनुसार रात को 42 हाथियों के दल ने ग्राम पंचायत पैनारी के आश्रित ग्राम महादेवपाली एवं पंडोपारा में 2 घर तोड़े, 15 किसानों की फसलों को रौंद दी है। वन अमला फसल नुकसान का आंकलन करने में जुटा हुआ है। हाथी विचरण क्षेत्र महादेवपाली, मेंड्रा, नेवरी, बेलबहरा, धौराठी, महादेवपाली एवं पंडोपारा गांव हैं। वन विभाग ने हाथियों के दल को कटघोरा वनमंडल अंर्तगत पसान रेंज या मरवाही वन मंडल की ओर जाने का अनुमान लगाया गया है।

ग्रामीणों को सरकारी भवनों में किया गया है शिफ्ट

हाथियों का दल वर्तमान में खडग़वां, मनेंद्रगढ़ वनपरिक्षेत्र व कटघोरा व मरवाही वनमण्डल के बॉर्डर पर विचरण कर रहा है। फॉरेस्ट टीम 24 घंटे तैनात है और ग्रामीणों को समझाइश दी जा रही है ।वही गांव की ओर हाथी दल के आने की सूचना पर ग्रामीणो को आंगनबाड़ी स्कूल व पचायत भवनो मे शिफ्ट किया जा रहा है ।

जैनी ग्रेस कुजूर, एसडीओ फारेस्ट
कोरिया वनमंडल बैकुंठपुर

न्यूज ब्रीफ

पतिव्रता का पुण्य अक्षुण्ण और आशीर्वाद अमोघ होता है कथाचार्य भगवत कृष्णजी

सागर। प्रेम इंसान को भगवान से मिला देता है। जिन मनुष्यों के हृदय में प्रभु भक्ति नही होती वह जीवित शव के समान होते हैं.पतिव्रता नारी में सत्वगुण प्रधान होता है इससे उसका पुण्य अक्षुण्य और आशीर्वाद अमोघ हो जाता है। उक्त उद्गार कथाचार्य पं भगवत कृष्णजी ने छठवें दिवस की भागवत कथा में दादा दरबार प्रांगण में व्यक्त किये उन्होंने कहा कि 18 श्लोकों के गोपी गीत का 40 दिनों तक आर्त स्वर में नियमित पाठ करने से श्री चरणों के दर्शन हो जाते हैं। वक्ता परतंत्र एवं श्रोता स्वतंत्र होता है। अर्थ ही सभी अनर्थों की जड़ है तथा गोप गोपिकाओं के अश्रुओं से ही यमुना का जल खारा हो गया। आचार्य जी ने कहा कि आत्मा स्त्रीलिंग और परमात्मा परम पुरूषोत्तम है। उन्होंने चीरहरण गोपिका संवाद राम लीला विभिन्न राक्षसों के वध अक्रूर द्वारा मथुरा निमंत्रण धोबी को दण्ड दर्जी को वरदान हाथी एवं कुब्जा का उद्धार मल्ल युद्ध एवं कंस वध के रोचक वृतान्त सुनाये।

तेजी से पूरा करें स्मार्ट रोड का कामः सीईओ

सागर। सागर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीईओ राहुल सिंह राजपूत ने बुधवार को सुप्रीटेंडेंट इंजीनियर अजय शर्मा के साथ तिली तिराहा से सिविल लाइंस चौराहा तक बन रही स्मार्ट रोड.2 के कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान निर्माण की गुणवत्ता को परखा और संबंधित अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को आवश्यक निर्देश दिए। सीईओ राहुल सिंह राजपूत ने स्मार्ट रोड पर चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों को देखा। इस दौरान सुप्रीटेंडेंट इंजीनियर अजय शर्मा ने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता परखी। उन्होंने कई जगह सड़क का माप भी लिया। सीईओ श्री राजपूत ने निर्देश दिए कि जहां-जहां ड्रेन और डक्ट का काम छूटा हुआ है उसे सबसे पहले पूरा करें। इसके साथ ही डिवाइडर और सड़क निर्माण का काम भी जारी रखें। उन्होंने निर्माण एजेंसी को तेजी से काम करने के निर्देश भी दिए।

वैक्सीनेशन महाअभियान में लक्ष्य से अधिक 170 फीसदी रहा मकरोनिया नपा का वैक्सीनेशन

सागर। कोरोना की रोकथाम के लिए जिले में बुधवार से वैक्सीनेशन महाअभियान की शुरुआत की गई। एसडीएम पवन बारिया और नगर पालिका सीएमओ इशांक धाकड़ जी के नेतृत्व में चले इस महाअभियान में वार्डवार 18 केन्द्र बनाए गए। जिसमें पालिका के कम्प्यूटर ऑपरेटर, वार्ड प्रभारी, नोडल अधिकारी के साथ समस्त नगर पालिका स्टाफमौजूद रहा। इस दौरान सुबह से ही शासकीय स्कूल रजाखेड़ी में लोगों की भीड़ देखने को मिली। साथ ही अन्य टीकाकरण केन्द्रों पर भी लोगों का खासा उत्साह देखने को मिला। इस वैक्सीनेशन महाअभियान की शुरुआत में करीब 3700 लोगों को कोरोना का टीके की पहला और दूसरा डोज़ लगाई गई।

ट्रैक्टर फाइनेंस करा कर बेचने वाला चोर गिरोह का पर्दाफाश

बाड़ी। पुलिस के हाथ ऐसा चोर गिरोह लगा है जो लोगों को झांसा देकर उसके नाम ट्रैक्टर फाइनेंस करा कर किराए से चलाने का कहकर विदिशा पहुंचाता था। जहां से अन्य आरोपित ट्रैक्टर को उप्र में बेच आते थे। पुलिस ने दो ट्रैक्टर ग्राम देहरादून, ग्राम गोरी कला में से बरामद कर आरोपितों को बरेली न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया। पुलिस अधीक्षक विकाश शाहवाल ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमृत मीणा, अनुविभागीय अधिकारी बाड़ी नरेंद्र राठौर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सत्य प्रकाश सक्सेना एवं उप निरीक्षक नवीन बिला बलिया एवं उप निरीक्षक श्रेया विश्वकर्मा की टीम द्वारा मामले का पर्दाफाश किया है। पुलिस थाना बाड़ी में गणेश राम चौहान निवासी बाबई एवं नन्हेलाल मालवीय निवासी मोकलवाड़ा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपित जीतेंद्र किरार आत्मज रघुवीर सिंह किरार उम्र 39 वर्ष निवासी बांस पिपरिया थाना बाड़ी ने उनके नाम ट्रैक्टर फाइनेंस करा कर किराए से चलाने का बोलकर ट्रैक्टर कहीं भेज दिए हैं। ट्रैक्टर का किराया भी नहीं दे रहे। दोनों की शिकायत पर 15 नवंबर को बाड़ी पुलिस ने जीतेंद्र किरार को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ शुरू की। आरोपितों द्वारा ट्रैक्टर फाइनेंस करा कर किराए से चलाने का झांसा देकर ट्रैक्टर बेच देते हैं। जीतेंद्र ने बताया कि इस काम में दीपक आत्मज स्व. ओमकार सिंह दांगी उम्र 28 वर्ष निवासी बंटीनगर विदिशा, हरिनारायण आत्मज मोहनलाल अहिरवार उम्र 23 वर्ष निवासी सिंधी कॉलोनी गंजबसौदा, राहुल आत्मज राजेंद्र सिंह दांगी उम्र 29 वर्ष निवासी बंटीनगर विदिशा, रवि पंडित आत्मज जगदीश उम्र 23 वर्ष निवासी गंजबासौदा, बृजेश आत्मज सुखनंदन पटेल उम्र 35 वर्ष निवासी देवरानकला जिला ललितपुर उप्र एवं सुधीर कुमार आत्मज रूपचंद्र पटेल कुर्मी उम्र 31 वर्ष निवासी गडोरीकला जिला ललितपुर उप्र के साथ ट्रैक्टर फाइनेंस करा कर बेचने का काम करते हैं।

ऐसे करते थे वारदात

इस गिरोह के अधिकांश सदस्य बैंकों एवं फाइनेंस कंपनी से संपर्क रखते हैं। मुख्य सरगना जितेंद्र किरार 10वीं तक शिक्षित है। ट्रैक्टर फाइनेंस कराने का कार्य करता है। राहुल दांगी बीई व दीपक दांगी बीकॉम, रवि पंडित बीएससी शिक्षित हैं। गिरोह के सदस्य आर्थिक रूप से तंग हाल लोगों को ट्रैक्टर फाइनेंस कराने का प्रलोभन देकर एवं फाइनेंस कराए हुए ट्रैक्टरों को अपने संबंधों को बढ़ा चढ़ाकर बताकर किराए से चलवाने का झांसा देकर ट्रैक्टर ले जाते थे।

नवजात का शव रखकर परिजनों व कांग्रेसियों ने किया चक्काजाम

गैरतगंज, रायसेन। भोपाल के शासकीय कमला नेहरू अस्पताल के बच्चा वार्ड में 8 नबंवर को आग लगने से गैरतगंज के रहवासी परिवार की नवजात भी झुलस गई थी। नवजात का एक माह से अस्पताल में उपचार चल रहा था। परिजनों का आरोप है कि बच्ची की मौत अस्पताल में आग लगने के हादसे के दौरान ही हो गई थी, लेकिन प्रबंधन गुमराह करता रहा और 13 दिन बाद बच्ची का शव सौंप दिया। परिजनों को पता तब चला जब बच्ची के शव को झुलसा हुआ देखा। रविवार को यह मामला सामने आने के बाद कांग्रेस ने परिजनों के साथ बच्ची का शव सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया। जानकारी के मुताबिक गैरतगंज के वार्ड 5 में रहने वाले नवीन विश्वकर्मा पत्नी गायत्री ने जिला चिकित्सालय रायसेन में 16 अक्टूबर 2021 को पुत्री को जन्म दिया था। नवजात बच्ची का कम वजन होने से उसे जिला चिकित्सालय से तत्काल भोपाल के कमला नेहरू शासकीय अस्पताल में रेफर किया गया था। जहां नवजात को आईसीयू में रखकर इलाज किया जा रहा था। 8 नवंबर की रात में कमला नेहरू अस्पताल के जिस वार्ड में भीषण आग लगी उसमें यह नवजात बच्ची भी भर्ती थी। आग में झुलसने में कई बच्चों की मौत हो गई थी। वहीं धुंए में भी कई बच्चों का दम घुटा। परन्तु घटना के सही कारणों का पता नहीं चल पाया। नवजात के पिता नवीन विश्वकर्मा का कहना हैं कि उनकी बच्ची भी आग में बुरी तरह झुलस गई तथा धुंए से उसका दम घुट गया था। परन्तु अस्पताल प्रबंधन ने नवजात के स्वस्थ होने की सूचना उन्हें देकर उसके उपचाररत होने का हवाला दिया।

लाखों रुपये खर्च फिर भी स्वच्छता में पिछड़ा अपना जिला

रायसेन। स्वच्छता सर्वेक्षण 2021-22 की रिपोर्ट शनिवार को केंद्र सरकार से जारी हो गई है। केंद्रीय और राज्य दोनों ही स्तर पर रायसेन जिले की नगरीय निकायों की स्वच्छता सर्वे की रिपोर्ट निराशाजनक है। साफ-सफाई के नाम पर लाखों रुपये फूंकने के बाजजूद सड़कों से न तो कचरा हटा और न ही गलियों, परिसरों, कॉलोनियों से गंदगी की बदबू गायब हुई। सर्वे रिपोर्ट नगरीय प्रशासन के प्रयासों की कमी और लोगों की लापरवाही का नतीजा है।

घर-घर से कचरा उठाने की व्यवस्था नहीं

जिला मुख्यालय की रायसेन नगरपालिका, मंडीदीप नगरपालिका सहित बेगमगंज, बरेली, बाड़ी, सांची, सुल्तानपुर, सिलवानी, गैरतगंज, औबेदुल्लागंज, उदयपुरा नगरीय परिषदों के स्वच्छता सर्वेक्षण परिणाम काफी निराशाजनक हैं। रायसेन नपा का प्रदेश में 131 स्थान है, जबकि पिछले वर्ष 74वां स्थान था। यानी स्वच्छता में 57 स्थानों से और पीछे हो गया है। बताया जाता है कि नगर में स्वच्छता कार्य पर करीब 20 लाख रुपये खर्च कर दिए हैं। एक वर्ष की अवधि में नपा प्रशासन न तो घर-घर से कचरा एकत्र करने का प्रबंधन कर सका और न ही सड़क किनारें, चौक-चौराहों से कचरे के ढेर खत्म किया है। नालियों की नियमित साफ-सफाई नहीं होने से मुख्य मार्गों से लेकर बस्तियों व कॉलोनियों में गंदगी की बदबू बरकरार है।

नगद इनाम की घोषणा

विदिशा। पुलिस अधीक्षक मोनिका शुक्ला ने थानों में दर्ज दो फरार आरोपियों पर क्रमशः दो-दो हजार रूपए की नगद राशि इनाम देने की उद्घोषणा की है। जारी उद्घोषणा में उल्लेख है कि महिला थाना विदिशा में दर्ज अपराध क्रमांक 24/21 का फरार आरोपी देवेन्द्र गुर्जर निवासी रामलीला चौराहा आरा मशीन के पास विदिशा तथा ग्यारसपुर थाना में दर्ज अपराध क्रमांक 161/21 का फरार आरोपी कमलेश पुत्र परमाल आदिवासी उम्र 25 वर्ष निवासी करैया की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी कराने में मदद करने वालों के लिए नगद दो-दो हजार रूपए इनाम देने की घोषणा की है। सूचना देने वाला व्यक्ति चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

टीकाकरण कार्यों का जायजा

विदिशा। स्वास्थ्य विभाग की संभागीय संयुक्त संचालक डॉ. नीरा चौधरी ने जिले में क्रियावित कोविड वैकसीनेशन टीकाकरण कार्यो का भ्रमण कर जायजा लिया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. एपी सिंह ने बताया कि संयुक्त संचालक डा. नीरा चौधरी ने कोटरा, नामाखेड़ी, महानीम चौराहा और मोहनपुरा के टीकाकरण सत्र स्थलों का निरीक्षण किया। इन केन्द्रों पर टीकाकरण संबंधी संधारित किए गए समस्त दस्तावेंजो का भी अवलोकन उनके द्वारा किया गया है। उन्होंने टीकाकरण दलो के सदस्यों का हौंसला अफजाई करते हुए उन्हें रिकार्ड अपडेट कर टीकाकरण से कोई वंचित ना रहें की व्यवस्था क्रियान्वित करने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर ने गुरूवार को राजस्व कार्यो की गहन समीक्षा

राजस्व कार्यो की समीक्षा

विदिशा। कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने गुरूवार को राजस्व कार्यो की गहन समीक्षा की। नवीन कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित इस बैठक में अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह के अलावा डिप्टी कलेक्टर द्वय अमृता गर्ग, अनुभा जैन के अलावा समस्त एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, अधीक्षक भू-अभिलेख मौजूद रहें। कलेक्टर भार्गव ने जिले में संपादित किए जाने वाले राजस्व कार्यो के तहत जिन बिन्दुओं की अद्यतन जानकारियां अनुविभागवार प्राप्त की उनमें रिकार्ड शुद्धिकरण, पखवाड़ा, स्वामित्व योजना अंतर्गत आबादी सर्वेक्षण, राजस्व वसूली, राजस्व प्रकरणों की समीक्षा, धारणाधिकार, लोक सेवा गारंटी, सीएम हेल्पलाइन, लघु सिंचाई संगणना, फसल कटाई प्रयोग खरीफ वर्ष 2021-22, पीएम किसान

सत्यापन, पटवारी लैपटॉप, पंचायत निर्वाचन की तैयारी, भू-अर्जन इत्यादि शामिल है। कलेक्टर ने जिले में हिनोता, कोठाबैराज, लेटनी बांध के निर्माण कार्यो हेतु भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शीघ्र सम्पादित कराने के निर्देश देते हुए टेम परियोजना विस्तारित तहत पांच गांव विस्थापित किये जाने है।

लोक सेवक के साथ मारपीट करने वाले आरोपीगण को न्यायालय ने सुनाया 1 वर्ष का सश्रम कारावास

विदिशा। न्यायालय अभिजीत सिंह जेएमएफसी द्वारा आरोपीगण शफीक कुरैशी पुत्र अहमद हुसैन उम्र 42 वर्ष, रफीक कुरैशी पुत्र अहमद हुसैन उम्र 45 वर्ष निवासीगण ग्राम हैदरगण जिला विदिशा को धारा 332 भादवि में 1-1 वर्ष का कारावास एवं 500-500 रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। उक्त प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी एडीपीओ किरण कापसे द्वारा की गई। सहायक जिला अभियोजन अधिकारी किरण कापसे ने घटना के संबंध में बताया किए घटना दिनांक 28.07.2016 को फरियादी शिवम हैदरगढ़ में गस्ती के पद पर पदस्थ थे। उक्त दिनांक को वे समंस तामील व रोड इंतजाम में कस्बा हैदरगढ़ में रवाना हुए। गस्त के दौरान फरियादी ने चौराहे पर देखा कि आरोपी रफीक खां अपनी मोटर साईकिल को बीच रोड पर खड़ी करके मोटर साईकिल पर लेटा हुआ था। फरियादी शिवम ने आरोपी से मोटर साईकिल किनारे पर करने के लिए कहा तो आरोपी रफीक खां ने बोला कि वह कौन होता है उसे हटाने वाला और फरियादी को धक्का देता हुआ चला गया। कुछ समय पश्चात रात 8.30 बजे आरोपीगण शफीक कुरैशी और रफीक कुरैशी चौराहे पर आये और फरियादी के साथ मारपीट की। फरियादी ने उक्त घटना की रिपोर्ट थाना हैदरगढ़ में लेखबद्ध कराई थी। जिस पर अपराध पंजीबद्ध कर प्ररकण विवेचना में लिया गया था।

संपादकीय

जनजातीय विद्यार्थियों को सुलभ और उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर

प्रदेश में अनुसूचित जनजातियों की बड़ी आबादी निवास करती है। जनजातीय समाज के समग्र विकास के लिए केन्द्र और राज्य सरकार सदैव कटिबद्ध रही है। राज्य सरकार ने सर्वांगीण विकास की राह प्रशस्त करने के लिए इस वर्ग के शैक्षणिक विकास पर विशेष ध्यान दिया है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का कहना है कि व्यक्ति और समाज के सामाजिक और आर्थिक सुदृढ़ीकरण के लिए अच्छी शिक्षा बहुत आवश्यक है। उन्होंने हमेशा माना है कि हमारे जनजातीय समुदाय में प्रतिभा की कमी नहीं है। राज्य सरकार का प्रयास रहा है कि एक भी विद्यार्थी को शिक्षा प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हो। हर छात्र के लिए शिक्षा सुलभ हो। प्रतिभाओं को आगे बढ़कर उज्जवल भविष्य के निर्माण के लिए अच्छा वातावरण मिले। इसी भाव से राज्य सरकार ने अनुसूचित जनजातियों के शैक्षणिक विकास के लिए अनेक योजनाओं और कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन किया है। राज्य सरकार की नीति और दृढ़ इच्छा-शक्ति के सुपरिणाम भी सामने आने लगे हैं। अनुसूचित जनजाति वर्ग में अनेक प्रतिभाओं ने आगे बढ़कर प्रदेश का नाम रोशन किया है। शिक्षा की सार्वभौमिकता ने सम्पूर्ण अनुसूचित जनजाति समाज को राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में उन्नति के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए हैं। अनुसूचित जनजातीय समाज के लिए जहाँ एक ओर ग्रामीण क्षेत्रों और शहरों में आसानी से शिक्षा प्राप्त करने के अवसर बढ़े हैं, वहीं प्रतिभावान विद्यार्थी राज्य सरकार की योजना का लाभ लेकर विदेशों में भी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। प्रदेश में जनजातीय कार्य विभाग का बजट वर्ष 2003-04 में लगभग 746 करोड़ रूपए था, जो अब बढ़कर 8 हजार करोड़ रूपए से भी अधिक हो गया है। विगत 17 वर्षों में प्रदेश में जनजातीय क्षेत्रों में प्राथमिक शालाओं की संख्या में 81 प्रतिशत, माध्यमिक शालाओं की संख्या में 55 प्रतिशत, हाईस्कूल की संख्या में 112 प्रतिशत, हायर सेकण्ड्री स्कूल की संख्या में 81 प्रतिशत और कन्या शिक्षा परिसरों की संख्या में 2633 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। छात्रावासों और आश्रमों में रहने वाले जनजातीय विद्यार्थियों की शिष्यवृत्ति की दरें राज्य सरकार ने बढ़ाई हैं। ये दरें बालकों के लिए 1230 रुपये से बढ़ाकर 1300 रुपये प्रतिमाह और बालिकाओं के लिये 1270 रुपये से बढ़ाकर 1340 रुपये प्रतिमाह की गई है। प्राथमिक कक्षाओं में अध्ययन करने वाली जनजातीय वर्ग की बालिकाओं की छात्रवृत्ति 15 रुपये प्रति विद्यार्थी प्रतिमाह से बढ़ाकर 25 रुपये की गई है। कक्षा 6वीं की बालिकाओं की छात्रवृत्ति 50 रुपये प्रति विद्यार्थी प्रतिमाह से बढ़ाकर 60 रुपये की गई है।

वन्य जीवों की प्रचुरता और जैविकी विविधताओं के लिए मशहूर 'कान्हा नेशनल पार्क'

मण्डला और बालाघाट जिले की सीमा से लगा यह पार्क प्राकृतिक और पर्यावरणीय गौरव के लिए जाना जाता है। क्षेत्रफल के लिहाज से इसका देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय पार्कों में शुमार है। कोर वन मण्डल (राष्ट्रीय उद्यान) एवं बफर जोन वन मण्डल कान्हा टाईगर रिजर्व के अन्तर्गत आते हैं। इन दोनों वन मण्डल का क्षेत्रफल क्रमशः 940 और 1134 वर्ग कि.मी. है। राष्ट्रीय उद्यान में 91 हजार 743 वर्ग कि.मी. का क्षेत्रफल क्रिटिकल टाईगर हेबीटेट के रूप में अधिसूचित है।

प्रदेश में स्थापित नेशनल पार्कों के प्रति देशी पर्यटकों के साथ विदेशी पर्यटक बहुत तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। इनमें से एक है कान्हा नेशनल पार्क। यह पार्क वन सम्पदा, वन्य जीवों की प्रचुरता और जैविकी विविधताओं से लबरेज है। कान्हा नेशनल पार्क विलक्षण और अद्वितीय प्राकृतिक आवास के लिए जाना जाता है। कान्हा का संपूर्ण वन क्षेत्र वैभवशाली अतीत को आज भी संजोए हुए है, जिसकी वजह से यह पार्क देशी-विदेशी पर्यटकों को बरबस अपनी ओर खींचता है।

मण्डला और बालाघाट जिले की सीमा से लगा यह पार्क प्राकृतिक और पर्यावरणीय गौरव के लिए जाना जाता है। क्षेत्रफल के लिहाज से इसका देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय पार्कों में शुमार है। कोर वन मण्डल (राष्ट्रीय उद्यान) एवं बफर जोन वन मण्डल कान्हा टाईगर रिजर्व के अन्तर्गत आते हैं। इन दोनों वन मण्डल का क्षेत्रफल क्रमशः 940 और 1134 वर्ग कि.मी. है। राष्ट्रीय उद्यान में 91 हजार 743 वर्ग कि.मी. का क्षेत्रफल क्रिटिकल टाईगर हेबीटेट के रूप में अधिसूचित है। इसके अलावा टाइगर रिजर्व के अधीन एक वन्य-प्राणी अभयारण्य सेटेलाइट मिनी कोर-फेन अभयारण्य है, जो 110.74 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में फैला है।

118 बाघ और 146 तेंदुए सहित अनेक वन्य-जीव है मौजूद

टाइगर रिजर्व में वन्य- प्राणी गणना आकलन 2020 के अनुसार 118 बाघ और 146 तेंदुए मौजूद हैं। बाघों में 83 वयस्क और 35 शावक बाघ हैं। इसके अलावा जंगली कुत्ता, लकड़ बग्घा, सियार,भेड़िया, भालू (रीछ), लोमड़ी, जंगली बिल्ली, जंगली सुअर, गौर, चीतल, बारासिंघा, सांभर, मेड़क-मेड़की, चौसिंघा, नीलगाय, नेवला, पानी कुत्ता (उद बिलाव), सेही, लंगूर, बंदर, मोर प्रजाति के वन्य-जीव उपलब्ध हैं। साथ ही स्तनधारियों की तकरीबन 43 प्रजाति, पक्षियों की 325, सरी सृप की 39, कीट की 500, मकड़ी की 114 और पतंगों और तितलियों की भी अनेक प्रजाति पर्यटकों को अपनी ओर खींचती हैं।

पार्क के यह स्थल है वेहद खास

फेन अभयारण्य ङ्क टाइगर रिजर्व की विशेष इकाई फेन अभयारण्य है। वर्ष 1983 में 110 वर्ग कि.मी. का क्षेत्र फेन अभयारण्य घोषित हुआ। यह क्षेत्र वन्य-जीव के आवासीय स्थल के रूप में पिछले वर्षों से, काफी विकसित हुआ हैं। इस क्षेत्र में पूर्व में 38 मवेशी गाय, भैंस रहकर वन क्षेत्र को नष्ट किया करती थी। वर्ष 1997-98 के मध्य यहाँ से सभी शिवरों को विशेष मुहिम से हटा दिया, तब से यहाँ के वन काफी अच्छे हो गए हैं जिससे अब यहाँ बाघ, तेंदुआ, बायसन, चीतल, सांभर, जंगली कुत्ता आदि विचरण करते दिखाई देते है।

श्रवणताल – कान्हा से 4 कि.मी. की दूरी पर श्रवणताल है। पौराणिक मान्यता अनुसार राजा दशरथ के तीर से मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार की मृत्यु इसी स्थान पर होना माना जाता है। यहाँ कई साल पहले तक मकर संक्राति का मेला लगता था। श्रवणताल में वर्ष भर पानी रहता है,

कान्हा के चारों ओर घास के मैदान स्थित हैं। यहाँ पहले खेती हुआ करती थी।

जिसके कारण नीचे स्थित मेन्हरनाला और देशीनाला क्षेत्र में पानी रिसने से हमेशा नमी बनी रहती है, जो बाघ के लिए उपयुक्त आवास है। बारासिंघा पानी में घुसकर यहाँ जलीय पौधों को अपना भोजन बनाते हैं।

किसली मैदान (चुप्पे मैदान) -

पार्क का यह मुख्य प्रवेश द्वार है। वर्ष 1986-87 में यहाँ बसे लोगों को पार्क के बाहर कपोट बहरा में विस्थापित किया गया था। ढ़ाई दशक पहले यहाँ आरा मिल का ऑफिस लगा करता था।

डिगडोला – किसली परिक्षेत्र के उत्तर पूर्व पहाड़ी में एक बैलेंसिंग रॉक संतुलित चट्टान पर अपना संतुलन बनाये रखी है। इस क्षेत्र को डिगडोला कहते हैं। आदिवासियों के लिए यह पूजा स्थल के रूप में विख्यात है।

कान्हा मैदान - कान्हा के चारों ओर घास के मैदान स्थित हैं। यहाँ पहले खेती हुआ करती थी। विस्थापन में 26 परिवारों को वर्ष 1998-99 में मानेगाँव में बसाया गया। इसके बाद खेत घास के मैदान में परिवर्तित हो गये, जिसके कारण शाकाहारी वन्य-प्राणियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई।

कान्हा एनीकट – देशीनाला में बना एनीकट जल संवर्धन के साथ वन्य जीवों के लिये बहु-उपयोगी माना जाता है। इस एनीकट का निर्माण 72 साल पहले हुआ था।

चुहरी – कान्हा से 3 कि.मी. की दूरी पर चुहरी क्षेत्र है। पानी वाली जगह का चुहरी कहा जाता है। यह क्षेत्र बाघों के आवास के लिए उपयुक्त माना जाता है।

बारासिंघा फेंसिंग - इसका निर्माण पचास साल पहले हुआ था। बारासिंघा का संवर्धन इसी क्षेत्र में ही किया जाता है। इनके संबंध में अनुसंधान/अनुश्रवण आदि के कार्नीवोरस प्रूफ फेंसिंग के अंदर कुछ बारासिंघा को आवश्यकतानुसार यहाँ पर रखा जाता है। बारासिंघा की संख्या में वृद्धि होने पर उन्हें बाद में मुक्त कर दिया जाता है।

बिसनपुरा – कान्हा-मुक्की मार्ग में बिसनपुरा मैदान स्थित है। पहले इस स्थान में छोटा गाँव हुआ करता था। वर्ष 1974-76 के मध्य यहाँ से 13 परिवारों को विस्थापित करके भिलवानी वनग्राम समूह में बसाया गया। वर्तमान में इस स्थान में काफी अच्छे चारागाह विकसित हो जाने से, काफी संख्या में पर्णभक्षी आते हैं। पानी की प्रचुर मात्रा रहने से कान्हा की तरफ से पहाड़ पार से वन्य-जीव का इधर आवागमन काफी अच्छा रहता है। इस इलाके में बारहसिंगा, चीतल, बायसन, जंगली सुअर, भालू और गिद्ध दिखाई देते हैं।

सोंढर एवं सोंढर तालाब – कान्हा-मुक्की मार्ग पर सोढर मैदान स्थित है। पहले इस जगह गाँव हुआ करता था। वर्ष 1974-76 के बीच यहाँ 11 परिवारों को विस्थापित कर अन्यत्र बसाया गया। सोंढर तालाब काफी पुराना है। खेतों की जगह चारागाह विकसित हुए जो बारासिंघा के लिये उपयुक्त है।

वैक्सीन की प्रथम डोज आंशिक सुरक्षा, दूसरी डोज मतलब पूरी सुरक्षा

कोरोना महामारी के विरूद्ध पूरी तरह से रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के लिए वैक्सीनेशन काफी कारगर साबित हो रहा है। वैज्ञानिक तथ्य भी यही कहते हैं कि वैक्सीन की दोनों डोज समय पर लग जाने से व्यक्ति के कोरोना संक्रमित होने की संभावना 93 प्रतिशत तक घट जाती है। साथ ही अस्पताल में भर्ती मरीजों की मृत्यु की संभावना भी नगण्य हो जाती है। प्रदेशवासियों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिये संवेदनशील राज्य सरकार लक्षित समूह को वैक्सीन का सुरक्षा कवच देने के लिए कटिबद्ध है। वैक्सीनेशन का शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर 25 एवं 26 अगस्त को दो दिवसीय टीकाकरण महाअभियान चलाया जाएगा। कोरोना संक्रमण की पहली और दूसरी लहर ने विश्व के अधिकांश देशों को अपनी चपेट में ले लिया था। कोरोना काल में अनेकों ने अपनी जान भी गंवाई। कोरोना के साथ लड़ाई में भारत ने कम समय में स्वदेशी वैक्सीन तैयार कर एक अनूठा उदाहरण पूरे विश्व के सामने प्रस्तुत

किया। वैक्सीन का निर्माण जितनी तेजी से किया गया, उतनी ही रफ्तार से प्रदेशों में वैक्सीन पहुँचाई भी गई। इसके बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने ÷सबको वैक्सीन-निःशुल्क वैक्सीन÷ मंत्र देकर वैक्सीन तक सभी की पहुँच सुनिश्चित की। वैक्सीन की उपलब्धता के साथ उसके उपयोग में मध्यप्रदेश पूरे राष्ट्र में अग्रणी रहा। कोरोना महामारी से बचाव के तौर पर रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के लिए कोविड-19 के दोनों डोज लगवाना अत्यन्त आवश्यक है। कोविड-19 टीके का प्रथम डोज मनाव शरीर में आंशिक सुरक्षा प्रदान करता है, जिसके लगने के बाद भी संक्रमित होने का खतरा बना रहता है। वैक्सीन का द्वितीय डोज समयावधि में लगवाने से वैक्सीन की एफिकेसी सर्वाधिक रहती है। प्रदेश में अभी दो प्रकार की वैक्सीन कोविशील्ड और कोवैक्सीन लगाई जा रही है। चिकित्सकीय एवं वैज्ञानिक आधार पर कोविशील्ड वैक्सीन की प्रथम डोज लेने के 84 दिन बाद द्वितीय डोज और कोवैक्सीन की प्रथम डोज लेने के 28 दिन बाद द्वितीय डोज लेना जरूरी है। वैक्सीन की द्वितीय डोज लगने के 2 से 3 सप्ताह बाद ही शरीर में कोरोना बीमारी के विरूद्ध प्रतिरोधक क्षमता पूर्ण रूप से विकसित होती है। साथ ही शरीर एक से अधिक प्रकार की एंटीबॉडी तैयार करता है जो कोरोना और उसके अन्य वेरिएंट के विरूद्ध बचाव करने में सहायक होती है। कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीनेशन सिर्फ सरकार की ही नहीं, समाज की जिम्मेदारी भी है। हर नागरिक को स्व-प्रेरणा से आगे आकर सरकार द्वारा दिए जा रहे वक्सीन के सुरक्षा कवच को अपनाना होगा।

जनजातीय समाज में आत्म-निर्भरता का आत्म-विश्वास

आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में 15 नवम्बर 2021 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में भोपाल में मध्यप्रदेश के जनजातीय समाज के लिए अनेक नयी और अनूठी योजनाओं की बौछार हुई। इन योजनाओं की सौगात और महासम्मेलन में मिले मान-सम्मान से पूरे जनजातीय समाज में आत्म-निर्भरता का आत्म-विश्वास जागा है। साथ ही वे अपने आप को गौरवान्वित महसूस भी कर रहे हैं। संभवतः यह पहला अवसर था, जब प्रदेश ही नहीं देश में पहली बार लाखों की तादाद में जनजातीय वर्ग के लोग एक साथ राजधानी भोपाल में एकत्र हुए और भरपूर सम्मान भी पाया। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी जनजातीय भाई-बहनों के लिए अभिभावक की भूमिका निभाते हुए उनके आने-जाने, रहने और खाने-पीने की समुचित व्यवस्थाएँ भी की। जनजातीय गौरव दिवस के अगले दिन करीब 700 जनजातीय कलाकारों के साथ मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री निवास पर स्वल्पाहार कर उन्हें आनंदित कर दिया। प्रदेश में

लगभग डेढ़ करोड़ आबादी वाले जनजातीय वर्ग को समाज की मुख्य-धारा से जोड़ने विकास का जो समग्र एक्शन प्लान बना, उसे अमल में लाने में कोई देरी नहीं की गई। सोमवार को प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा शुरू की गई ÷राशन आपके ग्राम÷ योजना का शुभारंभ किया गया। ठीक 24 घंटे बाद ही मुख्यमंत्री श्री चौहान ने योजना में लगने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाकर जनजातीय विकासखण्डों के लिए रवाना कर योजना के क्रियान्वयन की शुरूआत कर दी। अब इस वर्ग को राशन लेने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और उनके समय की भी बचत होगी।

वायु प्रदूषण पर वैज्ञानिकों का अलर्ट

दिल कमजोर कर सकता है एयर पॉल्यूशन

■ हाई ब्लड प्रेशर से जूझने वाले किडनी के रोगियों में खतरा ज्यादा

अब तक हुई कई रिसर्च में बताया जा चुका है वायु प्रदूषण से हृदय रोगों का खतरा बढ़ता है। अमेरिका में हुई हालिया रिसर्च इसके बारे में एक और जानकारी देती है। शोधकर्ताओं का कहना है, अगर कोई मरीज किडनी का रोगी है और हाई ब्लड प्रेशर से भी जूझ रहा है तो वायु प्रदूषण उसके दिल को और कमजोर कर सकता है। यह दावा गुरुवार को अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी किडनी वीक-2021 में किया गया। शोधकर्ताओं के मुताबिक, वायु प्रदूषण का सीधा सम्बंध दिल की बीमारियों से है। अगर वायु प्रदूषण से खुद बचाते हैं, हृदय रोगों का खतरा काफी हद तक कम किया जा सकता है। वायु प्रदूषण से कैसे बढ़ता है दिल को खतरा शोधकर्ताओं का कहना है, हाई ब्लड प्रेशर से जूझ रहे किडनी के मरीजों में ग्लेसिटीन-3 का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया। इसका सीधा कनेक्शन वायु प्रदूषण से है। इससे हृदय अंदरूनी तौर पर कमजोर हो जाता है। 1,019 मरीजों पर हुई रिसर्च में सामने आया कि ऐसे मरीजों में मायोकार्डियल फाइब्रोसिस की स्थिति बनती है। आसान भाषा में समझें तो दिल कमजोर होने लगता है। इससे हार्ट अटैक पड़ सकता है या मौत भी हो सकती है।

ऐसे रखें दिल का ख्याल

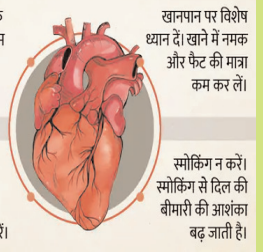

- हर दिन हल्के-फुल्के व्यायाम करें। व्यायाम सेहतमंद जिंदगी के लिए जरूरी है।
- खानपान पर विशेष ध्यान दें। खाने में नमक और फैट की मात्रा कम कर लें।
- अगर व्यायाम नहीं कर सकते तो अपने रूटीन में योग और वॉक को शामिल करें।
- स्मोकिंग न करें। स्मोकिंग से दिल की बीमारी की आशंका बढ़ जाती है।

पक्षियों की आंखों की रोशनी छीन रही रहस्यमय बीमारी

अमेरिका में पूर्वी इलाके में एक रहस्यमय बीमारी से पक्षियों की मौतें हो रही हैं। वैज्ञानिक अब तक इस बीमारी का पता नहीं लगा पाए हैं। हालांकि, उन्होंने आशंका जताई है कि जिस तरह स्टारलिंग्स, ब्लू जेज़, ग्रैकल्स जैसे पक्षियों की मौत हो रही है, वह पक्षियों की महामारी का संकेत हो सकता है। आमतौर पर साल्मोनेला और क्लामायिडया बैक्टीरिया के संक्रमण से पक्षियों में ऐसी मौतें होती हैं, लेकिन वैज्ञानिक का मानना है कि इस बार मौतों की वजह ये बैक्टीरिया नहीं हैं। इस बीमारी से पक्षियों की मौत के मामले 2 महीने

पहले वर्जिनिया, वाशिंगटन और मैरीलैंड में सामने आए थे। लेकिन अब यह केंटकी, डेलावेयर और विस्कॉन्सिन तक फैल चुकी है। इस अजीब बीमारी से मारे गए पक्षियों का पोस्टमॉर्टम यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया के स्कूल ऑफ वेटरनरी मेडिसिन में किया जा रहा है। यहां टॉक्सिकोलॉजी विभाग की प्रोफेसर लीजा मार्फी कहती हैं कि अब तक की गई जांचों में मौत की वजह पता नहीं चल पाई है। एनिमल वेलफेयर लीग ऑफ अर्लिंग्टन संस्था की प्रवक्ता चेलेसी जोन्स कहती हैं, मई में इस बीमारी की जानकारी मिली थी। हमने मरे हुए पक्षियों की जांच की, तो पता चला कि उनकी पलकों के पीछे सफेद रंग का क्रस्ट जमा था।

दिशा भूलने और थकान के कारण उड़ भी नहीं पा रहे

गिद्धों में चौंकाने वाला मामला

बिना नर के प्रजनन हुईं मादा गिद्ध, 2 बच्चों को जन्म देकर चौंकाया; अमेरिका वैज्ञानिकों का दावा

अमेरिकी वैज्ञानिकों ने दो ऐसी मादा गिद्धों को खोजा है जिसने बिना किसी नर के साथ प्रजनन किए बच्चे को पैदा किया। यह मामला गिद्धों की कैलिफोर्निया कंडर प्रजाति में सामने आया है। अमेरिकी वैज्ञानिक कैलिफोर्निया कंडर प्रजाति के गिद्धों को संरक्षित करने में जुटे हैं। 1982 में इनकी कुल संख्या 22 थी। वैज्ञानिकों के लगातार प्रयासों और संरक्षण के कारण 2019 में इनकी संख्या बढ़कर 500 से अधिक हो गई। यह दावा अमेरिका की सैन डिएगो जू वाइल्डलाइफ एलियांस के वैज्ञानिकों ने अपनी रिसर्च में किया है।

संरक्षण के सफर में कई चौंकाने वाली बातें पता चलीं

अमेरिकी वैज्ञानिक करीब 40 सालों से कैलिफोर्निया कंडर प्रजाति के गिद्धों को बचाने में जुटे हैं। इन्हें बचाने के लिए वैज्ञानिक ऐसे गिद्धों की पहचान कर रहे थे जो अपने बच्चों को जन्म दे सकें। इसका पता लगाने के लिए इनकी जेनेटिक स्टडी की गई। स्टडी में सामने आया कि 2001 और 2009 में ऐसे दो नर गिद्धों का जन्म हुआ जिनमें मां के अंश तो थे लेकिन पिता से जुड़ी उनमें कोई भी बात (जेनेटिक्स) नहीं थी। इनका नाम स्क्र260 और स्क्र617 है। जर्नल ऑफ हेरेडिटी में पब्लिश रिपोर्ट के मुताबिक, इनका जन्म एसेक्सुअल रिप्रोडक्शन के जरिए हुआ है। आसान भाषा में समझें तो मादा ने नर के साथ मेटिंग नहीं की। अनफर्टिलाइज्ड अंडे से इन दोनों नर गिद्धों का जन्म हुआ।

नॉर्थ अमेरिका का सबसे बड़ा पक्षी

शोधकर्ता ओलिविया का कहना है, यह एसेक्सुअल रिप्रोडक्शन का पहला मामला है। कैलिफोर्निया कंडर नॉर्थ अमेरिका में पाया जाने वाला सबसे बड़ा पक्षी है। यह 60 साल की उम्र तक जीते हैं। संरक्षण के कारण इनकी संख्या बढ़कर 500 पहुंच चुकी है। इनमें से 300 मेक्सिको, उटा, एरिजोना और कैलिफोर्निया के जंगलों में छोड़े गए।

यह हो सकती है वजह

शोधकर्ता ओलिविया के मुताबिक, यह अलग तरह का प्रजनन गिद्धों में कैसे हुआ इसका साफतौर पर अब तक पता नहीं चल पाया है। हालांकि, अब तक गिद्धों की बड़े स्तर पर जेनेटिक एनालिसिस भी नहीं हो पाई है। ओलिविया का मानना है, ऐसा तब हो सकता है, जब मादा गिद्धों के पास नर के पहुंचने का कोई मौका ही न हो।

दुनिया का पहला ऐसा कपड़ा

जापानी वैज्ञानिकों ने बनाया कॉटन से भी ज्यादा ठंडा सिल्क, यह गर्मियों में 12.5 डिग्री तापमान तक घटाता है

गर्मियों में सिल्क का कपड़ा आपको कॉटन से ज्यादा ठंडा रखेगा। वैज्ञानिकों ने सिल्क का ऐसा कपड़ा तैयार किया है, यह कॉटन कपड़े की तुलना में 12.5 डिग्री सेल्सियस तक तापमान घटा देता है। इसलिए यह कपड़ा आपको गर्मियों से राहत देगा। इस कपड़े को चीन की नानजिंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं और स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी के शान्हुई फैन ने मिलकर तैयार किया है। शोधकर्ताओं का कहना है, इस कपड़े को इसलिए डिजाइन किया गया है ताकि गर्मियों के मौसम में बाहर जाने पर शरीर को ठंडा रख सके।

इसलिए शरीर को रखता है ठंडा

दुनियाभर में 15त्न बिजली का इस्तेमाल इंसान खुद को ठंडा रखने के लिए करता है। नए कपड़े की मदद से बिजली की डिमांड को कुछ हद तक कम किया जा सकेगा। यह बिना बिजली के शरीर को ठंडा रखने में मदद करेगा। शोधकर्ताओं का कहना है, आमतौर पर सिल्क सूर्य की किरणों को परावर्तित करता है। इस खूबी को ध्यान में

रखते हुए सिल्क में बदलाव करके ऐसा कपड़ा बनाया जो सूर्य की किरणों को 95 फीसदी तक परावर्तित (रेफ्लेक्ट) कर सके। रिसर्च के मुताबिक, कपड़ा जितना ज्यादा सूर्य की किरणों को परावर्तित करेगा और कम से कम इसे अवशोषित करेगा यह शरीर को उतना धूप के असर से बचाएगा व ठंडा रखेगा।

पहला ऐसा कपड़ा जो हवा से भी ठंडा

जब धूप में इस कपड़े की टेस्टिंग की गई तो पाया गया कि यह आसपास मौजूद हवा से भी 3.5 फीसदी तक ठंडा है। शोधकर्ताओं का कहना है, यह दुनिया का पहला ऐसा कपड़ा है जो हवा से भी ठंडा है। रिसर्च रिपोर्ट कहती है, इस कपड़े में एल्यूमिनियम ऑक्साइड के नैनोपार्टिकल्स मिलाए गए हैं। इसलिए ये इंफ्रारेड, विजिबल और अल्ट्रावॉयलेट किरणों को परावर्तित करके शरीर से दूर रखता है।

ऐसे समझें फर्क

इस खास तरह के सिल्क को ऐसे समझा जा सकता है। अगर आप 40 डिग्री सेल्सियस वाली धूप में यह सिल्क पहनकर खड़े हैं तो यह आपको 32 डिग्री सेल्सियस तापमान महसूस कराएगा। वहीं, कॉटन की तुलना में यह 12.5 डिग्री सेल्सियस कम तापमान महसूस कराता है। ट्रायल में यह साबित भी हुआ है।

किसानों के लिए खुश हुए सोनू सूद, कहा-जय जवान जय किसान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नाम संबोधन करते हुए एक साल से विवादों में घिरे तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा कर दी है। जिसके बाद किसानों के साथ साथ बॉलीवुड में भी खुशी की लहर है। तमाम एक्टर्स सोशल मीडिया के माध्यम से किसानों की जीत पर खुशी जाहिर कर रहे हैं। ऐसे में बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने किसानों के लिए बड़ी बात कही हैं। सोनू सूद ने सबसे पहले अपने ट्विटर आकाउंट से ट्वीट करते हुए लिखा किसान वापिस अपने खेतों में आयेंगे, देश के खेत फिर से लहराएंगे। धन्यवाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, इस ऐतिहासिक फैसले से किसानों का प्रकाश पूरब और भी ऐतिहासिक हो गया। जय जवान जय किसान। इसके साथ ही उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है। जिसमें वह अनाज मंडी में नजर आ रहे हैं और बासमती चावल के बारे में बता रहे हैं। उनके आस पास सभी अनाज मंडी के लोग उन्हें देखकर बेहद खुश हैं। इस वीडियो के साथ ही सोनू सूद ने लिखा हैं जय जवान जय किसान सोनू सूद को पहले भी किसानों के हक में बोलते देखा गया है। वह लॉकडाउन से ही लोगों की निस्वार्थ सेवा करने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में जब देशभर के किसानों को उनका हक मिला तो उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें बधाइयां दी।

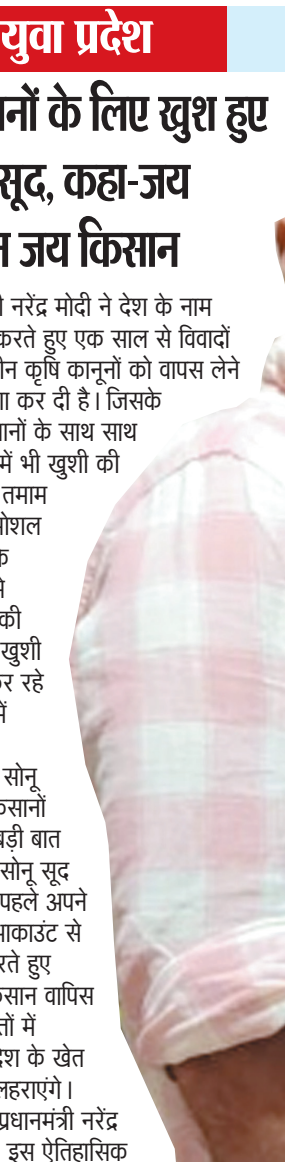

वेडिंगः टेलीविजन की रीटा रिपोर्टर फिर बनेंगी दुल्हन

पति मालव राजदा संग दोबारा लेंगी सात

देशभर में इन दिनों शादियों का सीजन जोरों- शोरो से चल रहा हैं। आम हो या खास सभी जोड़े इस मौके पर एक- दूसरे के साथ अटूट बंधन में बंध रहे हैं। इसी बीच कई बी- टाउन सेबेल्स भी विवाह के बंधन में बंध चुके हैं। इस बार वेडिंग सीजन में कई कलाकारों ने अपने रिश्ते को एक नाम देने की घोषणा कर दी है। वहीं, कई सेलेब्स ऐसे भी हैं, जो एक- दूसरे के साथ फिर से सात फेरे ले रहे हैं। इसी क्रम में मशहूर कॉमेडी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा में रीटा रिपोर्टर का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस प्रिया आहूजा फिर सात फेरे लेने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री अपने निर्देशक पति मालव राजदा संग दोबारा शादी करने वाली हैं। दरअसल, 19 नवंबर को प्रिया आहूजा और मालव राजदा ने अपनी शादी के 10 साल पूरे कर लिए हैं। ऐसे में इस खास मौके पर दोनों एकबार फिर एक-दूसरे से किए वादें याद करना चाहते हैं। वहीं, एक वेबसाइट से बातचीत के दौरान दोनों ने अपनी शादी को लेकर कई खुलासे भी किए। उन्होंने बताया कि इस बार वह बहुत ही खूबसूरत पेस्टल रंग के आउटफिट में नजर आने वाली हैं। उन्होंने बताया कि उनकी पहली शादी की साड़ी भी बहुत सिंपल और हल्की थी। हालांकि, इस बार वह एक सुंदर लेकिन कम हेवी ड्रेस में नजर आएंगी। वहीं, मालव के ड्रेस के बारे में बात करते हुए प्रिया ने कहा कि उन्होंने अपने लिए एक भी आउटफिट नहीं चुना है। ऐसे में यह तय हुआ कि मैं जो कुछ भी पहनूंगी, वह उसी से कलर कोऑर्डिनेट कर ड्रेस पहनेंगे। दरअसल, उन्होंने हाल ही में अपने हाथ की सर्जरी कराई है। ऐसे में वह कई तरह के आउटफिट्स बदलने में सहज नहीं हैं।

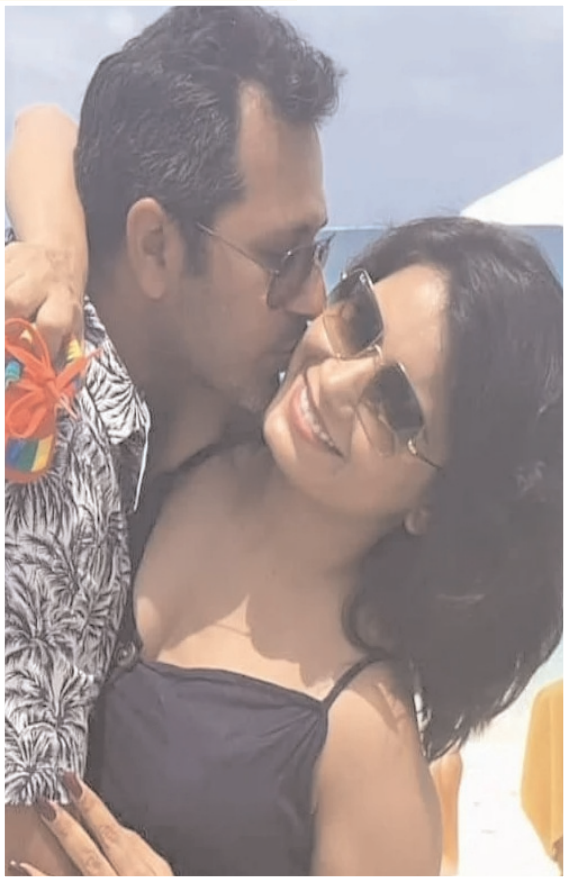

भोजपुरीः बेबी काजल का नया गाना ऐ दीदी देवरा तोर हुआ रिलीज

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री सारी दुनिया में अपने गानों की वजह जानी जाती हैं। रोजाना भोजपुरी के धमाकेदार गाने रिलीज के साथ ही गर्दा उड़ा रहे हैं। वहीं बेबी काजल का नया गाना %ऐ दीदी देवरा तोर% यूट्यूब पर रिलीज कर दिया गया है। लेकिन ये जानकर आपको हैरानी होगी कि बेबी काजल ने इस गाने को नहीं गाया बल्कि वह वीडियो में डांस करती नजर आई हैं। उनके डांस को दर्शकों से बेहद प्यार मिल रहा है। गाने में बेबी काजल बड़ी बहन से कहती दिख रही हैं कि वह अपने देवर से उनकी शादी करवा दे। गाने को दर्शकों का बेहद पसंद कर रहे है। इस गाने को वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। बेबी काजल को हाल में ही वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के साथ काम करने का मौका मिला है। वह इससे पहले भी अपने गाने इस कंपनी के यूट्यूब चैनल जारी करवा चुकी हैं। इस गाने को सिंगर खुशबू तिवारी ने गाया है। खुशबू तिवारी की भोजपुरी दर्शकों के बीच में एक लंबी चौड़ी फैन फॉलोइंग है। गाने के लिरिक्स आशुतोष तिवारी ने लिखे हैं। वहीं इसका म्यूजिक आर्या शर्मा ने दिया है। रत्नाकर कुमार गाने के निर्माता हैं। जबकि इसका निर्देशक आर्यन देव ने किया है। इस गाने के सभी राइट्स वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के पास हैं।

अभिषेक बच्चन हर रोज ऐश्वर्या राय से मांगते हैं माफी, वजह हैरान कर देगी

बॉलीवुड के सबसे शानदार कपल्स में से एक ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन एक दूसरे से बेहद प्यार करते हैं। दोनों जब भी एक दूसरे के सामने होते हैं तो चहरे की लालिमा उनके प्यार का इजहार कर देती है। यहां तक की बॉलीवुड में जिस तरह के कपल्स के बीच झगड़े होते हैं, वैसा कभी भी ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के बीच होता नहीं देखा गया। दोनों पब्लिक में किसी विवाद में पड़ने से बचते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अभिषेक बच्चन रोज रात सोने से पहले ऐश्वर्या से माफी मांगते हैं। जानिए क्या है वह वजह जो अभिषेक बच्चन को मांगनी पड़ती है माफी।

दोनों के बीच होती हैं लड़ाइयां

ऐश्वर्या राय ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि हर कपल की तरह उन दोनों में भी झगड़ा होता है। दोनों किसी भी बात पर लड़ पड़ते हैं, दरअसल दोनों की सहमति जब किसी एक बात पर नहीं होती तो ऐसा होता है। लेकिन आज तक दोनों के बीच कोई सीरियस झगड़ा नहीं हुआ है मगर कुछ नोंक झोंक होना आम बात है।

बनाया है नियम

दोनों ने शादी के दौरान ही एक नियम बना लिया था। इस नियम के अनुसार जब भी उनका झगड़ा होगा या फिर किसी भी तरह की बहस होगी तो वह एक दूसरे से मांफी मांग लेंगे। अभिषेक ने एक इंटरव्यू में कहा था %अगर ये झगड़े न होते तो हमारी शादी काफी बोरिंग हो जाती।%

अभिषेक मांगते हैं माफी

अक्सर दोनों में जब भी नोक झोक होती है। ऐसे में रोज रात सोने से पहले अभिषेक बच्चन ऐश्वर्या से मांफी मांगते हैं। ताकि अगले दिन की शुरुआत अच्छे से हो सके। अभिषेक कहना था कि महिलाएं वैसे भी अपनी गलती नहीं मानती हैं इसलिए ज्यादातर लड़ाइयों में वे ही माफी मांग लेते हैं।

दोनों का रिश्ता

दोनों साल 2007 में शादी के बंधन में बंधे थे और उनकी एक बेटी भी है, जिसका नाम आराध्या है। दोनों की शादी को 14 साल हो गए हैं और दोनों एक दूसरे के साथ बेहद खुश भी नजर आते हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहाःसउदी अरामको के साथ डील पर बात अभी जारी, फिर से होगा वैल्यूएशन

मुंबई। देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (ऋढ्ढरु) ने कहा है कि सउदी अरामको के साथ उसकी डील अभी तक ठंडी नहीं पड़ी है। कंपनी इस डील पर बात कर रही है और इसका मूल्यांकन नए सिरे से किया जाएगा।

अगस्त 2019 से बात जारी

गौरतलब है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज और सउदी अरामको के बीच अगस्त 2019 से बात चल रही है। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज के ऑयल टू केमिकल बिजनेस (ह्र2ष्ट, तेल रिफाइनरी और पेट्रो रसान कारोबार) में सउदी अरामको 20त्न हिस्सेदारी खरीदना चाहती है। हालांकि वैल्यूएशन को लेकर यह बात नहीं बन पाई। रिलायंस ने शुक्रवार देर रात एक बयान जारी किया। इसने कहा कि दोनों कंपनियों के बीच डील को लेकर बात जारी है।

15 अरब डॉलर की डील

रिलायंस और सउदी अरामको के बीच यह डील 15 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर चल रही है। कंपनी ने कहा कि फिर से वैल्यूएशन के लिए दोनों कंपनियों की मंजूरी है। पिछले तीन सालों में रिलायंस ने वैकल्पिक ऊर्जा में 10 अरब डॉलर का निवेश करके नए कारोबार में प्रवेश किया है। इस वजह से इस डील का मूल्यांकन फिर से किया जा रहा है। कंपनी ने बयान में कहा कि रिलायंस और सउदी अरामको ने बदलते हालात में यह फैसला किया है कि ह्र2ष्ट बिजनेस को रिलायंस से अलग नहीं किया जाएगा।

दो सालों में दोनों के बीच गहरे जुड़ावः कंपनी ने कहा कि पिछले दो सालों में दोनों के बीच गहरे जुड़ाव हुए हैं और इससे दोनों को एक दूसरे को समझने के लिए समय भी मिला है। रिलायंस ने कहा कि ह्र2ष्ट कारोबार को अलग करने के लिए नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (ह्लष्टरुञ्ज) में किए गए आवेदन को वापस ले लिया गया है। रिलायंस ने ह्लष्टरुञ्ज की मुंबई और अहमदाबाद ब्रांच में यह आवेदन किया था। इस आवेदन में कंपनी ने कहा कि 2021-22 की दूसरी तिमाही तक मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

जून में इंडिपेंडेंट डायरेक्टर नियुक्त किया था

इसी साल जून में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सउदी अरामको के प्रमुख यासिर रुमायन को इंडिपेंडेंट डायरेक्टर नियुक्त किया था। उस समय इसे डील के लिए सफलता का एक कदम बताया गया था। जून में रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा था कि अगले तीन सालों में उनकी कंपनी क्लीन एनर्जी में 75 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगी। यह प्लान तीन हिस्सों में होगा। इसमें 60 हजार करोड़ रुपए का निवेश 4 गीगा फैक्टरी में किया जाएगा। 15 हजार करोड़ रुपए का निवेश वैल्यू चेन, पार्टनरशिप और फ्यूचर टेक्नोलॉजी में किया जाएगा।

क्रिप्टो से कमाई पर टैक्सः सरकार क्रिप्टोकरेंसी को टैक्स के दायरे में लाएगी

नई दिल्ली। सरकार क्रिप्टोकरेंसी को टैक्स के दायरे में लाने के लिए आयकर कानूनों में बदलाव करने पर विचार कर रही है। अगले साल बजट में ये बदलाव किए जा सकते हैं। रेवेन्यू सेक्रेटरी तरुण बजाज ने ये जानकारी दी। बजाज ने कहा, कुछ लोग पहले से ही क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली आय पर कैपिटल गेन टैक्स दे रहे हैं। गुड्स एंड सर्विस टैक्स (त्रस्ञ्ज) के संबंध में भी कानून बहुत स्पष्ट है। हालांकि, अब क्रिप्टो का व्यापार काफी ज्यादा बढ़ गया है। ऐसे में हम देखेंगे की क्या कानून में कोई बदलाव लाया जा सकता है या नहीं। ये सब आने वाले बजट में ही होगा।

क्रिप्टो ट्रेडिंग पर टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स लग सकता है

यह पूछे जाने पर कि क्या क्रिप्टो ट्रेडिंग के लिए ञ्चष्टस् (टैक्स कलेक्टेड एट सोर्स) का प्रावधान लाया जा सकता है? बजाज ने कहा, अगर हम नया कानून लेकर आते हैं तो देखेंगे कि क्या करना है। लेकिन हां, अगर आप पैसा कमाते हैं तो आपको टैक्स देना होगा।

अन्य सर्विसेज की तरह क्रिप्टो पर भी GST लगेगा

क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग पर त्रस्ञ्ज रेट को लेकर बजाज ने कहा कि त्रस्ञ्ज के दायरे का काफी विस्तार हो चुका है। ट्रेडिंग से जुड़ी तमाम सर्विसेज पर अभी त्रस्ञ्ज की दरें तय हैं और यह पूरी तरह साफ है। ऐसे में क्रिप्टो ट्रेडिंग पर त्रस्ञ्ज की बात करें तो अगर कोई बीच में ब्रोकर का काम करता है और वह ब्रोकरेज चार्ज वसूलता है तो उस सर्विस पर त्रस्ञ्ज लगेगा।

शीतकालीन सत्र में सरकार ला सकती है क्रिप्टो पर बिल

सरकार 29 नवंबर से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान क्रिप्टोकरेंसी पर एक बिल पेश कर सकती है। वर्तमान में, देश में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर कोई भी रेगुलेशन नहीं है। इस वजह से, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले हफ्ते वरिष्ठ अधिकारियों के साथ क्रिप्टोकरेंसी पर एक बैठक की थी और मजबूत रेगुलेटरी स्टेप्स उठाने के संकेत दिए थे।

क्रिप्टोकरेंसी से फाइनेंशियल स्टेबिलिटी की चिंता

क्रिप्टोकरेंसी को लेकर चिंताओं के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (ऋक्चढ्ढ) गवर्नर शक्तिकांत दास का भी बयान सामने आया था। दास ने स्क्चढ्ढ कॉन्क्लेव में कहा था,जब ऋक्चढ्ढ ये कहता है कि क्रिप्टोकरेंसी से मैक्रोइकोनॉमिक और फाइनेंशियल स्टेबिलिटी की चिंताएं हैं, तो इस मुद्दे पर गहन चर्चा की जरूरत है।

पबजी ग्लोबल चैंपियनशिप मे 32 टीमों में होगा महामुकाबला

पबजी (PUBG) गेम की दीवानगी दुनियाभर में है। इसे खेलने के लिए हर महीने 52 करोड़ से ज्यादा प्लेयर एक्टिव रहते हैं।

वहीं, डेली एक्टिव यूजर की संख्या 4 करोड़ से ज्यादा है। इन्हीं प्लेयर के लिए इस गेम को बनाने वाली क्राफ्टन कंपनी पबजी ग्लोबल चैंपियनशिप लेकर आई है। ये चैंपियनशिप आज से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलेगी। सभी प्रमुख वेबसाइट पर इसकी लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। पबजी ग्लोबल चैंपियनशिप में दुनियाभर की 32 टीमें शामिल होंगी। सभी 32 टीमों को 1860000 डॉलर (करीब 13.83 करोड़ रुपए) के प्राइज दिए जाएंगे। इनमें से v{th पोजीशन तक रहने वाली टीमों को अलग-अलग प्राइज मिलेगा। वहीं, 17 से 20, 21 से 24 और 25 से 32 पोजीशन पर रहने वाली टीमों को एक जैसा प्राइज दिया जाएगा। वीकली फाइनल के दौरान ट्रेडिशनल क्क्च्त्र ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट स्ट्रक्चर और सुपर पॉइंट रूल फॉलो करने होंगे। चैंपियनशिप का ग्रैंड फाइनल 3 दिन तक चलेगा। इसमें हर दिन 5 मैच खेले जाएंगे। प्राइज जीतने वाले सभी खिलाड़ियों को कोरिया के इंचियोन में पैराडाइज सिटी की यात्रा कराई जाएगी। वहीं पर सभी को करीब 2 मिलियन डॉलर के प्राइज दिए जाएंगे।

सियाज के जैसी बेल्टा

ये मारुति प्लेटफॉर्म पर तैयार होने वाला टोयोटा का तीसरा मॉडल, पहले बलेनो और ब्रेजा जैसी कार भी आई

नई दिल्ली। टोयोटा ने मारुति के प्लेटफॉर्म पर तैयार नई सेडान तैयार कर ली है। इस सेडान का नाम बेल्टा है। इसे मारुति सियाज के प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है। इस कार के फोटो भी सामने आए हैं, जिसमें ये हूबहू सियाज की तरह नजर आ रही है। माना जा रहा है कि इस मेड-इन-इंडिया बेल्टा को मिडिल ईस्ट मार्केट में पहले बेचा जाएगा। ये मारुति के प्लेटफॉर्म पर तैयार हुई टोयोटा का तीसरी कार है। इससे पहले कंपनी बलेनो के जैसी ग्लांजा और विटारा ब्रेजा के जैसी अर्बन क्रूजर लॉन्च कर चुकी है।

टोयोटा बेल्टा में खास क्या है?

बेल्टा का इंटीरियर

बेल्टा का एक्सटीरियर और इंटीरियर एकदम सियाज के जैसा है। कार में टोयोटा ने अपना इंजन लगाया है। कार के इंटीरियर की बात की जाए तो इसमें 7-इंच का इन्फोटेनमेंट सिस्टम, मल्टी-फंक्शन स्टीयरिंग व्हील, क्लाइमेट कंट्रोल स्विच, एनालॉग डायल कलर्ड स्ढ्ढष्ठ के साथ कार में बैजिंग भी मिलेगी।

बेल्टा का इंजन

कार में 1.5-लीटर, फोर-सिलेंडर पेट्रोल इंजन मिलेगा। ये 105द्धश्च का पावर और 138हृद्व का टॉर्क जनरेट करता है। हालांकि, इंजन को सिर्फ 4-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से जोड़ा गया है। माना जा रहा है कि भारतीय बाजार के लिए टोयोटा यही इंजन ऑफर करेगा, लेकिन इसमें मैनुअल ऑप्शन भी मिलेगा।

बेल्टा का मतलब यारिस

यारिस भारतीय बाजार में टोयोटा की यारिस सेडान सफल नहीं रही है। इस कार की एक महीने में 1000 से ज्यादा यूनिट्स कभी नहीं बिक सकीं। लोगों ने इसकी तुलना में दूसरी सेडान को बहुत पसंद किया है।

एलन मस्क दे रहे जॉबः भारत में शुरू होने वाली सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक में वैकेंसी

नई दिल्ली। एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने भारत में नौकरियां ऑफर की हैं। कंपनी ने लिंक्डइन पर इसकी जानकारी शेयर की है। स्पेसएक्स में स्टारलिंक कंट्री डायरेक्टर इंडिया, संजय भारद्वाज ने लिखा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब हम भारत के लिए दो रॉकस्टार की तलाश कर रहे हैं। योग्य उम्मीदवार अपना रेज्यूमे भेज सकते हैं। स्टारलिंग मस्क के रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स (स्श्चड्डष्द्गङ्ग) की सैटेलाइट इंटरनेट डिवीजन है। भारद्वाज ने लिखा कि ग्रामीण भारत से शुरू होने वाले परिवर्तन को तेज करने की दिशा में एक छोटा कदम है। हम जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे नौकरियों के मौके खुलते जाएंगे। जब तक हमें व्यावसायिक तौर पर लाइसेंस नहीं मिल जाता, तब तक इसके लिए इंतजार करना होगा।

स्टारलिंक में निकली वैकेंसी की पूरी डिटेल

पोस्ट का नामः एग्जीक्यूटिव असिस्टेंट, इंडियाः रिस्पॉन्सिबिलिटीः एक या एक से अधिक सी-लेवल अधिकारियों के लिए जरूरत के हिसाब से मीटिंग कोऑर्डिनेशन, कैलेंडर मैनेजमेंट, अपॉइंटमेंट लेना, ट्रैवल शेड्यूल अरेंज करना, कार्यक्रम की व्यवस्था करना, एजेंडा तैयार करना और दूसरी सहायता। रिकॉर्ड और सभी कानूनी डॉक्यूमेंट्स के साथ-साथ मेल और कस्टमर कॉरसपॉन्डेंस की समय पर डिलीवरी करना। मीटिंग्स और सोशल इवेंटस में स्पेसएक्स का प्रतिनिधित्व करना।

क्वालिफिकेशन- ग्रेजुएशन की डिग्री हो। एग्जीक्यूटिव लेवल पर 3 साल से ज्यादा का अनुभव होना चाहिए। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस एप्लिकेशन और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर टूल्स का एक्सपीरिएंस हो। भारतीय नागरिक होना अनिवार्य है और मौजूदा लोकेशन भी भारत की होना चाहिए।

स्किल और एक्सपीरियंस- एक हाई स्पीड स्टार्ट-अप वाले एन्वायरमेंट में हाई-लेवल एग्जीक्यूटिव का अनुभव हो। कम्प्यूटर के बारे में पूरी जानकारी हो। प्रोजेक्ट स्कोप डेवलप करने का एक्सपीरिएंस होना चाहिए। प्रोजेक्ट शेड्यूल मैनेजमेंट का भी अनुभव हो। कम्युनिकेशन स्किल मजबूत होना चाहिए। समस्याओं को हल करने के बारे में पहल करना आना चाहिए।

भारत में कब उपलब्ध होगा सैटेलाइट से इंटरनेट?

अगले साल भारत में एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक का सैटेलाइट इंटरनेट उपलब्ध हो जाएगा। भारत में अभी रेगुलेटर से अप्रूवल की प्रक्रिया चल रही है। स्टारलिंक की ऑफिशियल वेबसाइट के अनुसार 99 डॉलर, यानी करीब 7,200 रुपए में इसकी प्री-बुकिंग शुरू हो चुकी है। स्टारलिंक से सैटेलाइट इंटरनेट इस समय बीटा (टेस्टिंग) वर्जन में है। जहां तक स्पीड की बात है, डाउनलोड 50 एमबीपीएस से 150 एमबीपीएस के बीच है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)